

शास्त्री चौक में सुगम यातायात व्यवस्था एवं यात्रियों की सुविधा हेतु नगर निगम, यातायात पुलिस एवं सिटी बस संचालक का संयुक्त नियोजन

यात्रियों की सुविधा हेतु मरहीमाता, नगर घड़ी चौक एवं बंजारी चौक में होगा सिटी बसों का स्टेपेज



रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 28 दिसंबर 2024 को कलेक्टर, एसएसपी एवं नगर निगम आयुक्त द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन हेतु भ्रमण के दौरान शास्त्री चौक में सभी मार्ग से आने वाले सवारी आटो एवं ई रिक्षा का प्रवेश प्रतिबंध करने के आदेश पर यातायात पुलिस रायपुर द्वारा वित्त 01 सप्ताह से शास्त्री चौक में सभी मार्ग से आने वाले सवारी आटो एवं ई रिक्षा का प्रवेश प्रतिबंध के संबंध में आटो चालक संघ के प्रयोग करने के लिए समर्थन बनी जिसके बाद लगातार एक सप्ताह तक शास्त्री चौक में सवारी आटो एवं ई रिक्षा का प्रवेश प्रतिबंध

का कार्ड्राम से पालन कराया गया, जिसके परिणाम स्वरूप शास्त्री चौक में सुगम सुरक्षित यातायात व्यवस्था संचालित हो रही है। एक सप्ताह के प्रयोग के पश्चात आज दिनांक 06 जनवरी को पुनः आटो चालक एवं ई रिक्षा चालक संघ के पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें शास्त्री चौक में यात्रियों की सुविधा हेतु सिटी बस को घड़ी चौक बंजारी चौक एवं मरही माता चौक में स्टेपेज देने बताया जिस पर नगर निगम, यातायात पुलिस एवं संचालक द्वारा शास्त्री चौक का भ्रमण करने वाले को घ्रामी बिक्री करने वालों एवं सलाउं करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने नियंत्रित किया गया है। साथ ही समस्त यात्रा प्रभारियों को जरूर बनाए गए सामग्री बिक्री करने वालों एवं सलाउं करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने नियंत्रित किया गया है।

शास्त्रीय मिनिमाता कव्या महाविद्यालय में योग साधना से हुआ नव वर्ष का स्वागत



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शा. मिनिमाता कन्या महाविद्यालय सभा गृह में नव वर्ष का स्वागत का स्वागत योग साधना से किया गया। नव पदस्थ प्राचार्य डॉ श्रीमती वासु वर्मा ने इस अवसर पर उपस्थित स्टाफ के सदस्यों व छात्राओं को नव वर्ष को शाखाकामानों दी और कहा कि नया वर्ष आप सभी के जीवन में सद्गत्ता, स्वास्थ्य व खुशियां लाए। उन्होंने कहा कि साल का प्रथम दिन हर किसी के लिए खास होता है। इस दिन आप सभी नए संकल्पों के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करें यह हमारी शुभेच्छा है। उन्होंने कहा नया

कु ममता ध्वन ने योग की कियाये प्रवर्तित की जिसमें सूक्ष्म व्यायाम प्रस्तुत हो दिया गया। व्यायाम की इस क्रिया से सिर से रीर तक का सम्पूर्ण व्यायाम हो जाता है। जिसे उपस्थित सभी लोगों ने किया व प्रतिता ली कि प्रतिदिन योगाभ्यास करें। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा केक काट कर नववर्ष मनाने की औपचारिकता पूर्ण की व सभी उपस्थित लोगों को केक व चॉकलेट दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, प्राध्यायक के छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

एटद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्राप्ती आई.डी. RPR6520N1080 जो की नियम अधिलेख श्री/प्रीमती MS SHREE LAXMI CONSTRUCTION PARTNER BY RAJKUMAR DHANGAR पिता/पति, श्री/प्रीमती LT. TORAN DHANGAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती USHA SAHU पिता/पति, श्री/प्रीमती BIRENDRA KUMAR SAHU ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शास्त्रीय पत्र, दान पत्र, विद्यामाना, रजिस्टरी विलेख के अनुसार एवं एक व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में इक्या या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। नियरित समयावधि परस्त आप दावा/प्राप्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

- सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा (जोन कमिशनर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक नियम, रायपुर (छ.ग.)

एटद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्राप्ती आई.डी. RPR652G4D340 जो की नियम अधिलेख श्री/प्रीमती SHAHIN PARVEEN पिता/पति, श्री/प्रीमती DR. ANIL GUPTA पिता/पति, श्री/प्रीमती ASLAM KHAN के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती KHEMRAJ KAHLAR पिता/पति, श्री/प्रीमती ISHWAR KAHLAR ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शास्त्रीय पत्र, दान पत्र, विद्यामाना, रजिस्टरी विलेख के अनुसार एवं एक व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में इक्या या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। नियरित समयावधि परस्त आप दावा/प्राप्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

- सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा (जोन कमिशनर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक नियम, रायपुर (छ.ग.)

एटद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्राप्ती आई.डी. RPR651F00640 जो की नियम अधिलेख श्री/प्रीमती MS SHREE LAXMI CONSTRUCTION PARTNER BY RAJKUMAR DHANGAR पिता/पति, श्री/प्रीमती LT. TORAN DHANGAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती SEETA SHARAM W/O CHOUTHMAL SHARMA , CHOUTHMAL SHARMA SIO VINOD KUMAR SHARMA पिता/पति, श्री/प्रीमती LT. TORAN DHANGAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती JAGRITI SIDAR पिता/पति, श्री/प्रीमती DIKENDRA KUMAR MANJHI ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शास्त्रीय पत्र, दान पत्र, विद्यामाना, रजिस्टरी विलेख के अनुसार एवं एक व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में इक्या या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। नियरित समयावधि परस्त आप दावा/प्राप्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

- सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा (जोन कमिशनर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक नियम, रायपुर (छ.ग.)

एटद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्राप्ती आई.डी. RPR652H00108 जो की नियम अधिलेख श्री/प्रीमती ASHISH GUPTA पिता/पति, श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती KISHOR GUPTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती TRILOCHEAN MAHARANA ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शास्त्रीय पत्र, दान पत्र, विद्यामाना, रजिस्टरी विलेख के अनुसार एवं एक व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में इक्या या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। नियरित समयावधि परस्त आप दावा/प्राप्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

- सूचना जारी करें-
श्री अदिव्य कुमार हालदार (जोन कमिशनर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक नियम, रायपुर (छ.ग.)

एटद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्राप्ती आई.डी. RPR652H00108 जो की नियम अधिलेख श्री/प्रीमती ASHISH GUPTA पिता/पति, श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती KISHOR GUPTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती TRILOCHEAN MAHARANA ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शास्त्रीय पत्र, दान पत्र, विद्यामाना, रजिस्टरी विलेख के अनुसार एवं एक व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में इक्या या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। नियरित समयावधि परस्त आप दावा/प्राप्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

- सूचना जारी करें-
श्री अदिव्य कुमार हालदार (जोन कमिशनर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक नियम, रायपुर (छ.ग.)

एटद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्राप्ती आई.डी. RPR652H00108 जो की नियम अधिलेख श्री/प्रीमती ASHISH GUPTA पिता/पति, श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती KISHOR GUPTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती TRILOCHEAN MAHARANA ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शास्त्रीय पत्र, दान पत्र, विद्यामाना, रजिस्टरी विलेख के अनुसार एवं एक व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में इक्या या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। नियरित समयावधि परस्त आप दावा/प्राप्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

- सूचना जारी करें-
श्री अदिव्य कुमार हालदार (जोन कमिशनर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक नियम, रायपुर (छ.ग.)

एटद द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्राप्ती आई.डी. RPR652H00108 जो की नियम अधिलेख श्री/प्रीमती ASHISH GUPTA पिता/पति, श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती KISHOR GUPTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/प्रीमती SMT PRABEENA MAHARANA पिता/पति, श्री/प्रीमती TRILOCHEAN MAHARANA ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, शास्त्रीय पत्र, दान पत्र, विद्यामाना, रजिस्टरी विलेख के अनुसार एवं एक व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में इक्या या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। नियरित समयावधि परस्त आप दावा/प्राप्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

- सूचना जारी करें-
श्री अदिव्य कुमार हालदार (जोन कमिशनर)
जोन क्रमांक

भारत के सामने नई कूटनीति चुनौती....

बांग्लादेश के अनुरोध से भारत को संवेदनशीलता और उच्च कूटनीतिक कौशल से निपटना होगा। भारत सरकार शेख हसीन को अपनी जुबान बंद करने पर राजी करे, तो यह काम आसान हो सकता है। उनके बयानों से बांग्लादेश में माहौल ज्यादा भड़का है अभी तक बांग्लादेश से भारत के लिए आई चुनौतियां वहां साढ़े चार महीने पहले बने माहौल से संबंधित थीं। मगर अब इसने टोसे कूटनीतिक रूप ले लिया है। भारत सरकार के सामने यह नई कूटनीति चुनौती है। इसका रूप बहुआयामी है। बांग्लादेश की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद पर मानवता के खिलाफ अपराधों के मुकदमे के सिलसिले में वारंट जारी किया उसका अनुपालन करते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत को कूटनीतिक पत्र भेज कर शेख हसीना को वापस भेजने की मांग की है। चूंकि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि पहले से मौजूद है, इसलिए भारत सरकार के लिए इस अनुरोध पत्र को ठुकराना आसान फैसला नहीं होगा। हालांकि उस संधि में राजनीतिक प्रकार के मामलों में अनुरोध ठुकराने का प्रावधान है और बेशक शेख हसीना का मामला सियासी है, परंतु वैसे कदम का बांग्लादेश से संबंध पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पहले ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को अधिक महत्व दे रही है। पिछले हफ्ते काहिरा में डी-8 ग्रुप की बैठक के दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मिले। इसमें खास बात यह रही कि शरीफ ने बांग्लादेश से रणनीतिक संबंध बनाने का इरादा जाहिर किया, वहीं युनूस ने बांग्लादेश की पुरानी मांग छोड़ दी कि ऐसा होने के पहले बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के समय किए अत्याचार और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए पाकिस्तान माफी मांगे। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग पर दोनों देश पहले ही राजी हो चुके हैं। बांग्लादेश का इस तरह पाकिस्तान से जुड़ना कर्तई भारत के हित में नहीं है। इससे 1971 के पहले जैसी स्थितियां बन जाएंगी। इसलिए बांग्लादेश के नए अनुरोध से भारत को संवेदनशीलता और उच्च कूटनीतिक कौशल से निपटना होगा भारत सरकार अगर शेख हसीना को अपनी जुबान बंद करने पर राजी करे, तो यह काम आसान हो सकता है।

आलंख

देश के दुलारे सनातन धर्म की सच्ची शिक्षा इन्द्रेश जी

संदीप जोशी

वृद्धावन की व्यासपीठ के 26 वर्षीय युवा इंद्रेशजी जनमानस के आत्मविकास में लगे हुए हैं। भक्तिपथ पर चलने वाले इंद्रेश जी जब वृद्धावन प्यारो वृद्धावन गाते हैं तो सुनने वाले स्वभाव में वृद्धावन ही पहुंच जाते हैं। वे सुर-राग के धनी हैं तो रस-भाव के भी धनी हैं। इंद्रेश जी के छवि चित्र में ही उनका चरित्र भाव दिखता है। आज जब पंथ-जमात के कई प्रतिष्ठित हुए व लोकप्रिय माने गए गुरु जेल में अपने कर्मों की सजा भुगत रहे हैं तो भागवत कथाकार इंद्रेश जी सभी का मन मोह रहे हैं। नया साल नई संभावनाएं लिए आता है। समय कैसा भी रहे अपन समाज के प्रति अपनी आशा तो बनाए रख ही सकते हैं। समाज से संवाद तो चलाया जा ही सकता है। समाज से ही निकले सभ्य-सुशील लोग नवी समय-समझ गढ़ने में भी लगते हैं। उनके नए संवाद से भी समाज की समझ बनती-बढ़ती है। इसलिए आशा है समाज में श्रद्धा, सौहार्द और विवेक का माहौल बने। भौतिक विकास के साथ आत्मिक विकास भी हो। वृद्धावन की व्यासपीठ के 26 वर्षीय युवा इंद्रेश जी जनमानस के आत्मविकास में लगे देखे जा सकते हैं। किसी का भी अस्तित्व तो उसकी सच्ची आस्था के आत्मविश्वास से ही प्रकट होता है। वही आस्था जो हमारे जीवन के अर्थ व हमारे रोजमर्रा के कामों से प्रदर्शित होती है। और फिर हमारे वही अर्थपूर्ण कामकाज ही हमें प्रतिष्ठित व लोकप्रिय बनाते हैं। मगर आकार से न हमारा अस्तित्व तय होता है न ही संख्या से हमारी सारथकता। आज जब पंथ-जमात के कई प्रतिष्ठित हुए व लोकप्रिय माने गए गुरु जेल में अपने कर्मों की सजा भुगत रहे हैं तो भागवत कथाकार इंद्रेश जी सभी का मन मोह रहे हैं। इसलिए सारे देश में इंद्रेश जी, इंद्रिई दुलारे हो गा हैं। पिल्लौ टिर्नो इन्द्रेश जी ने चंद्रीगढ़ में तंदावन प्रकट उत्पन्न

मनाया। वृद्धावन का महिमामुत्त व भाव कहा व गाकर सुनाया। चंडीगढ़ के ही लोकप्रिय गायक-संगीतकार बी-प्राक ने इन्द्रेश जी को रस, रास और राग के महात्म्य के लिए बुलाया था। वृद्धावन प्रकृति-प्रेम का प्रतीक है तो कुरुक्षेत्र गीता-ज्ञान का रणक्षेत्र। उसी से लगे चंडीगढ़ में इन्द्रेश जी वृद्धावन के राधाकृष्ण प्रेम को उत्सव रूप में प्रकट कर रहे थे। अपने रसमय भागवत प्रेम के कथा-पाठ के साथ रागमय संगीत रच रहे थे। इन्द्रेश जी परंपरा से प्राप्त कृष्ण-प्रेम को नए युवाओं के लिए नवोदित चिंतन प्रदान करने में लगे हैं। बृज की सरससता से देश में समरसता जगाने में लगे हैं। भक्तिपथ पर चलने वाले इंद्रेश जी जब वृद्धावन प्यारो वृद्धावन गाते हैं तो सुनने वाले स्वभाव में वृद्धावन ही पहुंच जाते हैं। वे सुर-राग के धनी हैं तो रस-भाव के भी धनी हैं। इन्द्रेश जी के छवि चित्र में ही उनका चरित्र भाव दिखता है। दिखने में पुरुषत्व सुंदरता लिए, इंद्रेश जी की वाणी सुर में सुरीली, राग में लचीली व भाव से भरी है। काले-घने लहराते केश से घिरा, नीचे साफ-चौड़ा माथा है। उनके चौड़े माथे पर सीधा चलता लाल तिलक उनके स्वरूप को कांति देता है। उनकी जुलफ़ों से नीचे निकलती लंबी कलम कान को खास आकार और चेहरे को साकार करती हैं। हंसमुख होंठ व गोल-गोल गाल कहने-सुनने के लिए आकर्षित करते हैं। उनकी कटीली भौंह उनकी प्रकाशमय आंखों को चमत्कर्ष बना देते हैं। एक ही कान में मोती उनको आज के युवा-युवती से जोड़ता है। लेकिन इंद्रेश जी के चेहरे में सबसे आकर्षित करने वाली तो उनकी भावमय, रसमय आंखें ही हैं जो अनकहा भी कह जाती हैं। यानी कूल मिला कर एक व्यक्तित्व जो कला में श्रेष्ठ, गायन में सुरीला और रूप में सुखमय निखर कर आता है। राग व अनुराग से भरा पूरा चरित्र। इन सब चेहरे के चित्र से अलग इंद्रेश जी का चरित्र उनके किंकेट प्रेम से भी झलकता है। युवाओं के खेल प्रेम से उन्हें जोड़ता भी है। भारत-चूजीलैंड टेस्ट मैच श्रृंखला का कानपुर टेस्ट देखने उनको ग्रीन पार्क मैदान पर भी ले जाता है। मानव कल्याण, जीव कल्याण व गऊ कल्याण का पाठ पढ़ाते हुए इंद्रेश जी जीवन को युवाओं के लिए आनंद का खेल बना देते हैं। और चंडीगढ़ में सुहावनी सुंदर संगत जमा देते हैं। भारतीयों में आज अगर थोड़ा सा भी कुछ सनातन बचा है तो उसे भी जगाते हैं। जिसको देखा-सुना नहीं उसके प्रति प्रेम भक्त जगाते हैं। सनातन धर्म की सच्ची शिक्षा इन्द्रेश जी जैसे ही पंथनिष्ठ कथा-संतों से सजती है।

उमेश चतुर्वेदी

माहन यादव महाकाल का नगरा उज्जन के नेवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि का आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि उनके राजसं-वधु के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्य प्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित वेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्होंने मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली थी। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन का हस्ते रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ नाया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन नाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को ना सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि वाचाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं। शासन की पहली वर्षांग के अवसर पर वेशेष घट में मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ उनपर सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है। यदा राजनीतिक दल हो या संभांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अक्सर अतीत और पूर्वज से तुलना की जाती है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की रक्षाएँ पर कराना जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले कीरी बाड़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन वायदों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वायदे किए, जिस वैष्णोंना शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथ्य है। मोहन यादव को यह है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी पड़ेगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं। मध्य प्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध रहें। सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही

खींचने की कोशिश में जुटे मोहन

नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते-जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्य प्रदेश समृद्ध हो, संपत्र हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे। मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी हैं। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में 'श्रीकृष्ण पाथेय' परियोजना की कल्पना की है। मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। 'श्रीकृष्ण पाथेय' के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ-साथ अपने-अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्य प्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिए दुनिया के दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर-गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां-जहां रुके, उन-उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलास्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा मध्य प्रदेश सरकार साल 2024 में लाडली बहन योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रुपये से अधिक कर्म राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएँ सरकारों के लिए पफ्फदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएँ हैं। मोहन यादव के भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य का आर्थिक सेहत अच्छी हो। इसलिए राज्य में इन्वेस्टमेंट किए जा गए। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इस सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने के तैयारी हैं। पर्यावरण सकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन

यादव उन राज्यों के लिए कैपिट्व योजना लाने जा रहे हैं। जिससे कान्हा वन, बुद्धवन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्य प्रदेश में लोज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहां मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा। जिससे मध्य प्रदेश का पर्यावरण भी बेहतर होगा। कृषि विकास दर के लिहाज से मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मोहन यादव ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जिससे किसानों की आय और बढ़े और राज्य की अर्थिक सेहत भी दुर्लक्षित हो। इस लिहाज से दुग्ध उत्पादन और बागवानी पर जोर दिया जा रहा है। देश के दुग्ध उत्पादन में मध्य प्रदेश की हस्सेदारी नौ प्रतिशत है, योजना है कि इसे बढ़ाकर बीस प्रतिशत किया जाए। किसी भी राज्य के कृषि विकास में उस राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में हो रही पढ़ाई और शोध का बहुत योगदान होता है। मोहन यादव इसे समझते हैं, इसीलिए राज्य के सभी 16 विश्वविद्यालयों में कृषि विभाग शुरू किए गए हैं। राज्य में कपास का उत्पादन भी खूब होता है। मोहन यादव सरकार चाहती है कि मध्य प्रदेश की कपास से राज्य में ही कपड़े का उत्पादन हो, इसके लिए योजना लाई गई है। मध्य प्रदेश की कपड़ा मिलों में महिलाओं को नौकरी मिले, इसके लिए प्रति महिला पांच हजार रूपए महीने उत्पादक को सम्बिंदी देने की तैयारी है। इसी तरह राज्य के प्रमुख शहरों, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवां समेत सात जगहों पर आईटी पार्क स्थापित करने की तैयारी है। युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए राज्य में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले जा रहे हैं। शासन में फिल्म खर्चों रोकने की योजना भी बनाई गई है। इसके तहत स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जैसे अलग विभागों को एकीकृत कर दिया गया है। राज्य के प्रशासन में जहां भी जरूरी होगा, उन्हें संतुलित करने, विभागों को एक साथ लाने की योजना पर काम चल रहा है। राज्य सरकार थानों का परिसीमन सफलतापूर्वक कर चुकी है, इसी तर्ज पर प्रशासनिक परिसीमन की भी तैयारी है। इसी तरह अफसर-कर्मचारी अनुपात को भी तर्कसंगत करने की तैयारी है। मोहन यादव कहते हैं कि सरकारी तंत्र पर खर्च होने वाला हर पैसा नागरिक का होता है और उसका दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। मोहन यादव सरकार एक और अनूठी योजना लेकर आई है। मध्य प्रदेश पहला राज्य बन गया है।

कांग्रेस को कार्यशैली बदलने की जरूरत

अजात द्विवदा

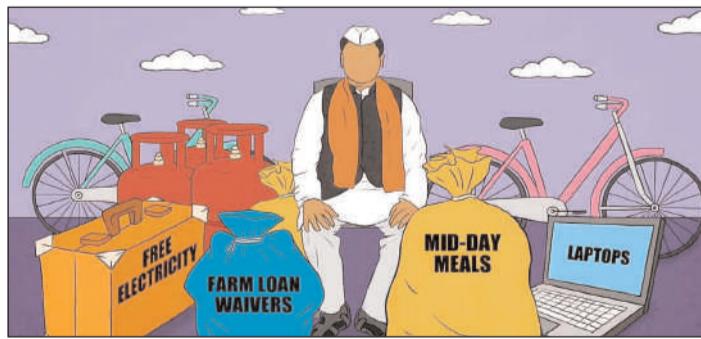
संगठन म बदलाव का बात कर तो वह भा बहुत ज़रूरी है क्योंकि मोटे तौर पर कांग्रेस का संगठन, खासकर प्रदेशों में बहुत कमज़ोर है या है ही नहीं। यह सचमुच हैरान करने वाली बात है कि कई राज्यों में कांग्रेस का संगठन ही नहीं है। जैसे ओडिशा में छह महीने से कांग्रेस कमेटी नहीं है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जुलाई में ओडिशा की प्रदेश कमेटी भंग कर दी थी। इसके तीन महीने बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस विधायक दल के नेता चरणदास महंत की अध्यक्षता में ओडिशा में कांग्रेस नेतृत्व व संगठन की मजबूती के बारे में सुझाव देने के लिए एक कमेटी बनी थी। अभी तक उसकी रिपोर्ट नहीं आई है। सो, छह महीने से ओडिशा में संगठन नहीं है। इसी तरह नवंबर के पहले हफ्ते में यानी दो महीने पहले हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भंग कर दिया गया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आदेश जारी किया और प्रदेश से लेकर जिला व प्रखंड स्तर तक की सारी कमेटियां भंग कर दी गईं। इसके एक महीने बाद यानी दिसंबर में उत्तर प्रदेश में प्रदेश से लेकर जिला व प्रखंड तक की कमेटियां भंग कर दी गईं। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद महाराष्ट्र व हरियाणा में भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी भंग करने की बात चली है। इतना ही नहीं बिहार में करीब दो साल से प्रदेश कमेटी का गठन ही नहीं हुआ है। सितंबर में शुभंकर सरकार

पाठ्मं बगाल कांग्रेस के अध्यक्ष बन लाकर उनकी भी कमेटी नहीं बन पाई है। झारखण्ड में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अध्यक्ष बने केशव महतो कमलेश भी अपनी कमेटी नहीं बना पाए हैं। सोबदलाव का एक मतलब तो यह है कि जिन राज्यों में संगठन भंग कर दिया गया है वहां नए अध्यक्ष की नियुक्ति हो और प्रदेश से लेकर जिला व प्रखण्ड स्तर तक कांग्रेस कमेटियों का गठन हो। दूसरा मतलब यह है कि जिन राज्यों में अध्यक्ष बन गए हैं लेकिन महीनों से उनकी कमेटियों का गठन नहीं हो पाया है वहां नई कमेटियों का गठन किया जाए और तीसरा अर्थ यह है कि जिन राज्यों में कांग्रेस हाल में हारी है वहां अगर बदलाव करना है तो वह जल्दी हो ताकि पार्टी का संगठन काम शुरू कर सके। कुछ राज्यों में कांग्रेस को संगठन के साथ साथ और भी फैसले करने हैं। जैसे कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र में विधायक दल के नेता का नाम तय नहीं किया है। सोचें, पार्टी चुनाव हार गई या अनुकूल फैसला नहीं आया तो विधायक दल का नेता ही तय नहीं करेंगे? अगर बदलाव के शाविक अर्थ से अलग हट कर देखेंगे तो कांग्रेस को संगठन की मजबूती के लिए बहुत कुछ करना है। सिर्फ नए अध्यक्ष बना देने या नई कमेटियों का गठन कर देने से कांग्रेस का काम नहीं चलने वाला है। उसे संगठन की कार्यशैली में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है मलिकार्जुन खडगे ने बेलगावी अधिवेशन में इसी

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साधा

लालत गग

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को नमजोर करने के साथ ही आने वाली विडियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जरन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे अजीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र हो उग्रतर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर नसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले नब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके नन्तर मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा गाहिब के ग्रांथियों को 18 हजार रुपए महीने देणे जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रांथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके नन्यायियों को रिखाते-रिखाते एकदम से नजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं संख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल नतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार दांटने, तोहफे, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम नन्तरे जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी नल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'प्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में बोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती हैं। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेस या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है। 'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फयदे के लिए जनता को दाना डालकर फँसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती हैं, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का बादा और पिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर अधेर-अधेर ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की



लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही बहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताएँ थी। नीति अयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के बादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो बोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के बादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड़, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उस लिए धन कहां से लाएगा? अंत में अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के बावजूद आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंता अब उनसे नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों पूरा करने की कीमत क्या होती है तभी उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था कमज़ोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। अपनी आय बढ़ाने के जरूर करना छोड़ देती है। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा

घोषणाएं की गयी हैं, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्स्ट्रस्कूल पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्वर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-प्रथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे।

राज्य सरकार द्वारा नांदणी जैन मठ को 'आ' वर्ग तीर्थक्षेत्र दंजा देने के लिये विशेष प्रयत्न करेंगे : देवेंद्र फडणवीस

नांदणी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र जी फडणवीस आज नांदणी पंचकल्याण महोत्सव में संबोधित करते हुए कहा कि सभी उपस्थित राजकीय अतिथी और लोकप्रियनिधि मिलकर राज्य सरकार द्वारा नांदणी मठ को %अ%वर्ग तीर्थक्षेत्र दंजा देने के लिये विशेष प्रयत्न करेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र जी फडणवीस जी ने सभी को संबोधित करते हुए प्रारंभ में सभी को जय जिनेंद्र कहकर संबोधित किया।

आमदार राजेंद्रजी यड्डाकर और मा. आमदार राहुल आवाडे जी के विशेष प्रयत्न से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मा. देवेंद्रजी फडणवीस आज नांदणी पंचकल्याण महोत्सव में पधारे थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मा. देवेंद्रजी फडणवीस आज नांदणी पंचकल्याण महोत्सव में आचार्य भगवन श्री विशुद्ध सागर महाराज संसंघ एवं नांदणी के जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी का आशीर्वद दिया। आचार्य भगवन विशुद्ध सागर महाराज जी द्वारा लिखित वर्तुल महाकाव्य कृती के प्रतिकृती का महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मा. देवेंद्रजी



महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने नांदणी पंचकल्याण महोत्सव में किया संबोधित

मठ द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मा. फडणवीस जी द्वारा विमोचन किया।

पैकेनेट मंत्री हसनसो मुक्ती जी, कैविनेट मंत्री मा. प्रकाशजी आविटकर, मा. अशोकरावजी माने, माजी आमदार प्रकाश आवाडे, आमदार अमल महाडिक जी, मा. आमदार सुरेश खाडे जी, माजी खासदार राजू शेट्टी साहेब, माजी खासदार निवेदिता मारे, माजी आमदार सुरेश रावजी हात्वणकर, मा. उत्तम पाटील, दक्षिण भारत जैन सभा के अध्यक्ष भालवंद जी पाटील, रावसाहेब जी पाटील, मा.

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाधिधिक नांदणी 2025 के छठे दिन वीर सेवा दल के 403 स्वयं सेवक सेवायोगदान दे रहे हैं। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाधिधिक नांदणी के लिए आज सोमवार दि. 06/01/25 को नांदणी मठ में वीर सेवा दल तिळवणी, शिरटी, हस्तु, कोथाली, शहापूर, शिरोली, हस्तु, कोथाली, शहापूर, जैनापुर, कोडीगंगे, चिचवाड (मालभाग), चिचवाड, यड्डाव, दानोली, आलास इन गाव के स्वयंसेवक सेवायोगदान दे रहे हैं। इसके आलावा कार्नाटक विभाग के निवासी 110 स्वयंसेवक ने त्यागी विभाग के स्वयंसेवक सेवायोगदान दे रहे हैं। सभी स वीरसेनिकों का विशेष प्रयत्न करते हुए जैन कार्यक्रम का आधार भालवंद जी का विशेष आधार।

-अभियंक अशोक पाटील

संसार के सारे संयोग वियोग कर्म के आधीन है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी

इंदौर (विश्व परिवार)। संसार के सारे संयोग वियोग कर्म के आधीन है, जो घट रहा है, जब वह में हाथ में ही नहीं तो अनावश्यक संकल्प विकल्प करने से कुछ भी हाँसिल होने वाला नहीं, इसका रिपोर्ट जब कर्म के हाथ में है, तो इसे स्वीकार करने के अलावा और कोई उपाय नहीं, कर्म किसी को मनाना नहीं सबसे अपनी मनवाता है। उपरोक्त उदाहरण मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने रामचंद्र नगर के आदिनाथ बाग में उपरोक्त उदाहरण मुनि श्री प्रमाण सागर जी की निश्चिंत एवं प्रसन्न लग रही है। लोग उक्ते पास संवेदन प्रकार करने एवं और पूँछ इतनी खुश कैसे ? तो उसने पूँछ कि इतनी विपरीत कि मेरा और मेरे बेटे का इनने ही दिन का साथ था वह तो चला गया मुझे अपनी जीविका भी चलाना पड़ेगी। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया इस अवसर पर मुनि श्री निवेंगसागर महाराज एवं मुनि श्री सधान सागर महाराज सहित समस्त क्षळक मध्यसान थे। कार्यक्रम के शुरूआत में आचार्य श्री चित्र पर धर्म प्रभावना समिति के प्रताधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ञलन किया गया एवं मुनिसंघ को शास्त्र भेंट किये गये। इस अवसर पर अध्यक्ष अशोकरामी ढोसी, मुकेश विजय पाटीली, महामंत्री हर्ष जैन, नवीन आनंद गोधा, दिलीप गोधा सहित मुनि सेवा से जुड़े विवेक जैन, अक्षय जैन मौन जैन हरीश जैन दिल्ली सहित बड़ी संख्या में स्पृहित नारा, संपादन नारा के सदस्य मौजूद थे। -अविनाश जैन



से उसकी धर्मजीवी उसके एकदम विपरीत उक्त उदाहरण मुनि श्री प्रमाण के आदिनाथ बाग में उपरोक्त उदाहरण के आदिनाथ बाग के आधीन है, जो घट रहा है, जब वह में हाथ में ही नहीं तो अनावश्यक संकल्प विकल्प करने से कुछ भी हाँसिल होने वाला नहीं, इसका रिपोर्ट जब कर्म के हाथ में है, तो इसे स्वीकार करने के अलावा और कोई उपाय नहीं, कर्म किसी को मनाना नहीं सबसे अपनी मनवाता है। उपरोक्त उदाहरण मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने रामचंद्र नगर के आदिनाथ बाग में उपरोक्त उदाहरण के आदिनाथ बाग के आधीन है, जो घट रहा है, जब वह में हाथ में ही नहीं तो अनावश्यक संकल्प विकल्प करने से कुछ भी हाँसिल होने वाला नहीं, इसका रिपोर्ट जब कर्म के हाथ में है, तो इसे स्वीकार करने के अलावा और कोई उपाय नहीं, कर्म किसी को मनाना नहीं सबसे अपनी मनवाता है। उपरोक्त उदाहरण मुनि श्री प्रमाण सागर जी की निश्चिंत एवं प्रसन्न लग रही है। लोग उक्ते पास संवेदन प्रकार करने एवं और पूँछ इतनी खुश कैसे ? तो उसने पूँछ कि इतनी विपरीत कि मेरा और मेरे बेटे का इनने ही दिन का साथ था वह तो चला गया मुझे अपनी जीविका भी चलाना पड़ेगी। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया इस अवसर पर मुनि श्री निवेंगसागर महाराज एवं मुनि श्री सधान सागर महाराज सहित समस्त क्षळक मध्यसान थे। कार्यक्रम के शुरूआत में आचार्य श्री चित्र पर धर्म प्रभावना समिति के प्रताधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ञलन किया गया एवं मुनिसंघ को शास्त्र भेंट किये गये। इस अवसर पर अध्यक्ष अशोकरामी ढोसी, मुकेश विजय पाटीली, महामंत्री हर्ष जैन, नवीन आनंद गोधा, दिलीप गोधा सहित मुनि सेवा से जुड़े विवेक जैन, अक्षय जैन मौन जैन हरीश जैन दिल्ली सहित बड़ी संख्या में स्पृहित नारा, संपादन नारा के सदस्य मौजूद थे। -अविनाश जैन

संक्षिप्त समाचार

गंदगी फैलाने वाले दो लोगों पर लगाया जुर्माना, निगम की रहेगी नजर, अब रात में मार्केट क्षेत्र में कंघरा फैकने वालों पर करेगी जुर्माना



दुर्ग (विश्व परिवार)। नारा पालिक निगम क्षमिता रामुनि अग्रवाल के निर्देश एवं स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मित्रा के मार्गदर्शन में आज स्वास्थ्य विभाग टीम अमला द्वारा वार्ड 25 में निरीक्षण किया गया, मौके पर आयुष अमृतलुप्त चाय दुकान दार द्वारा ज्ञाइ. मारकर कचरा नाली में डालते पाए जाने पर एक हजार रुप्तलुक किया गया साथ ही सख्त चेतावनी दी गयी कि गीला सूखा कचरा देते हुए दस्तविज रखें और डोर टू डोर कलेक्शन रिक्ती में डालें इस दौरान अमला जांच के मौके पर दुकान दार से पैलीशन एवं गंदगी करने पर पांच पांच सूखा रुपये अर्थात् दूसरे दिन आयुष अमृतलुप्त चाय दुकान दार में कचरा फैकने वालों पर करेगी जुर्माना की कार्यवाली स्वच्छता संवर्धन के महेनजर नारा निगम क्षमिता रामुनि एवं प्रफेक्षन किया जा रहा है। इस क्रम में निगम क्षमिता रामुनि अग्रवाल के निर्देश सुनिश्चित किया गया कि निरीक्षण के दौरान दुकानदारों पर जुर्माना लगाया जाये। इस मामले में दो दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। प्रत्येक दुकानदार से एक हजार एवं पांच सौ रुपये अर्थात् दूसरे दिन आयुष अमृतलुप्त चाय दुकान दार को जुर्माना लगाया जाये। इस मामले में दो दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया।

शिप्रा एक्सप्रेस एवं प्रयागराज एक्सप्रेस को गुना होकर चलाने की मांग, पूर्व मुख्यमंत्री दिविगिय शिंह ने रेल मंत्री को पत्र भेजा। रायपुर (विश्व परिवार)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल मासंदरी से दिविगिय शिंह ने रेल मंत्री अधिकारी धर्मेंद्र मित्रा के प्रति लिखकर आज नांदणी पंचकल्याण महोत्सव में आयोजित विभाग के निरीक्षण के दौरान चाय दुकान दार द्वारा ज्ञाइ. मारकर कचरा नाली में डालते पाए जाने पर एक हजार रुप्तलुक किया गया साथ ही सख्त चेतावनी दी गयी कि गीला सूखा कचरा देते हुए दस्तविज रखें और डोर टू डोर कलेक्शन रिक्ती में डालें इस दौरान अमला जांच के मौके पर दुकान दार से पैलीशन एवं गंदगी करने पर पांच पांच सूखा रुपये अर्थात् दूसरे दिन आयुष अमृतलुप्त चाय दुकान दार को जुर्माना लगाया जाये। इस मामले में दो दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। प्रत्येक दुकानदार से एक हजार एवं पांच सौ रुपये अर्थात् दूसरे दिन आयुष अमृतलुप्त चाय दुकान दार को जुर्माना लगाया जाये। इस मामले में दो दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया।

ग्राम मोहतरा में शा. मिनिमाता कन्या महाविद्यालय का लगा सात दिवसीय रासेयो शिविर बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय मिनिमाता कन्या महाविद्यालय का सात दिवसीय विशेष शिविर समीपस्थ ग्राम मोहतरा में दिवानीक 6 जनरी से प्रारम्भ हो गया है। शासन के अंदरसानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रयोग के इकाई ने दिवानी से सोलह दिन वार्ड 3:15 बजे चलती है उसका कोटा से छूटने का समय जहांहि में शाम 5:15 बजे किया जाते आगे यह भी मांग की है कि बीना से नापदा देने का समय बदलकर प्रारम्भ 4:00 बजे बीना से चलता जाये।

ग्राम मोहतरा में

संक्षिप्त समाचार

मुकेश चंद्राकर हत्याकांड के प्रमुख षड्यंतकारी ठेकेदार का लायसेंस निलंबित, सभी कार्य निरस्त

रायपुर (विश्व परिवार)। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मुख्य

आरोपी सुरेश चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद

अब शासन स्तर पर कार्रवाई होनी शुरू हो गई

है। इस कड़ी में लोक निर्माण विभाग ने उसका

अर्वा ठेकेदार के पंजीयन (क्र. CGE06088

दिनांक 06.03.2020) को निलंबित कर दिया

है। लोक निर्माण विभाग को और से सोमवार

को जारी आदेश में बताया गया कि मुख्य

अधिकारी, बस्तर परिषेत्र जगदलपुर पर विभाग

में पंजीकृत अर्वा ठेकेदार के पंजीयन (क्र.

पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड का मुख्य आरोपी के रूप में गिरफ्तार

किए जाने पर पंजीयन को निलंबित किए जाने की अनुशंसा की थी। इस

अनुशंसा को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने सुरेश चंद्राकर के अर्वा

पंजीयन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बता दें कि

नेतृत्वनाथ-कोडोली-मितुर-गंगालुरु मार्ग के कार्य को कुल 30 भागों में

विभाग किया गया था। जिसमें 17 भागों का कार्य सुरेश चंद्राकर को 30

नवंबर 2015 को दिया गया था, जिसे 29 जुलाई 2016 तक पूरा करना

था। इसकी अनुबंधानसंस्कार लागत 5407.14 लाख रुपए थी, जिसकी

पुरारीकृत स्वीकृति राशि रु. 14139.89 लाख है। सुरेश चंद्राकर ने 17

भागों में मिले कुल 32.40 किमी सड़क में से 12 भागों में 24.90 किमी

सड़क का पूर्ण कर लिया गया था, जिसके विरुद्ध 11617.97 लाख रुपए

व्यय किया गया था। शेष 05 भागों का कार्य वर्तमान में प्राप्ति पर है।

सरदारनी महिंदर कौर अरोरा का निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। अमलीडीह (कलपत्र) निवासी सरदारनी महिंदर कौर अरोरा (पल्ली स्व. सरदार अमर सिंह अरोरा) का निधन दिनांक 6 जनवरी 2025 को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार राजेंद्र नार अमर मुक्तिधाम में किया गया था। जो राजेंद्र सिंह अरोरा, फोन-

9098199913, 9340708106.

प्रेमा व कमलश्वरी के परिजनों का मिली

4-4 लाख रुपये की सहायता राशि

रायपुर (विश्व)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसके अनुसार आपार, दुर्घटना इत्यादि प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई की जा रही है। ऐसे प्रकरणों का पर आरबीसी 6-4 के तहत सहायता राशि प्रदान की गई है। सिलतरा निवासी प्रेमा साहू की आग में जलने और अंगर के ग्राम गुद्ध निवासी कमलश्वरी पटेल लालाब में डूबने से मौत हो गई हैं। इनका आवेदन जिला कायांतर्य के गोपनीय शावा में 6 जनवरी को पहुंचा और आज 7 जनवरी को प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इनके परिजनों को कलेक्टर डॉ गोरुक कुमार सिंह के निर्देश पर आरबीसी 6-4 के तहत 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

बीजापुर की घटना बेहद दुर्भाग्यजनक, नक्सलियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी : डिप्टी सीएम

- नवसल आईडीडी ब्लास्ट में शहीद हुए तीर शहीदों को विनाश श्रद्धांजलि : डिप्टी सीएम अरुण साव
- रायपुर विश्व परिवार। उप सलालवाद खत्म नहीं होना चाहिए? कांग्रेस नेता जयवार दें : डिप्टी सीएम अरुण साव



रायपुर (विश्व परिवार)।

उप सुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बस्तर के बीजापुर में नक्सलियों ने कायराना हमलत करते हैं। लैंकिन वो दिन दूर नहीं जब देश से आंकड़ा और नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त होगा।

उप सुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, प्रदेश में जब कांग्रेस के सरकार की तो उन्होंने नक्सलवाद को बढ़ावा दिया, नक्सलवाद को पाला पोषा है। जब हमरे

जवान नक्सलवाद के खिलाफ निर्णयक लड़ाई लड़ रही है।

जब हमरे पूछा कि, क्या बस्तर से नक्सलवाद के खत्म नहीं होना चाहिए? क्या बस्तर को नक्सलियों के अपनी विनाश श्रद्धांजलि देता है? उपरान्त जयवार के खत्म करने का है।

अरुण साव ने कहा कि, प्रदेश से बदल सकता है। बस्तर के अंतिम बदल, अलमावाद और नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए काम कर रही है। आज ये अपनी अंतिम चर्चा सांसे गिन रहा है। इसलिए समय-समय पर

जब हमरे पूछा कि, चलते कांग्रेस पार्टी के खत्म करने का रूप में उभरते हैं।

कविता शिव-ग्वालानी ने 2009 से 2014 तक लेफिटेंट अधिकारी दीक्षित वार्ड की पार्षद के रूप में



प्रधानी कार्यकाल देहु बूल वार्ड के समग्र विकास

और नारायणी सुधिवार्धीओं में सुधार के लिए

समाज की प्रतिवित नेत्री और पूर्व

पार्षद कविता शिव-ग्वालानी कांग्रेस

पार्टी से बदल सकता है। एक ब्रैंड के रूप में उभरते हैं।

समाज का चलते कांग्रेस पार्टी के खत्म होना चाहिए।

रवि ग्वालानी सिंधी समाज की प्रमुख संस्था

सिंधी कार्तिसल औंडी ईंडिया के युवा अध्यक्ष

महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके समाज से अधिकारी और अधिकारियों का चलते कांग्रेस पार्टी और सिंधी

समाज का चलते कांग्रेस पार्टी के खत्म होना चाहिए।

सिंधी समाज का पूर्ण समर्थन : रायपुर

शहर में सिंधी समाज के 1 लाख से अधिक

मतदाता हैं, जो इस चुनाव में निर्णयक भूमिका

निभाएं। कांग्रेस पार्टी यदि कविता शिव-

ग्वालानी को इकट्ठा देती है, तो यह सुनिश्चित है।

रवि ग्वालानी सिंधी समाज की प्रमुख संस्था

सिंधी कार्तिसल औंडी ईंडिया के युवा अध्यक्ष

महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सिंधी समाज का पूर्ण समर्थन : रायपुर

शहर में सिंधी समाज के 1 लाख से अधिक

मतदाता हैं, जो इस चुनाव में निर्णयक भूमिका

निभाएं। कांग्रेस पार्टी यदि कविता शिव-

ग्वालानी को इकट्ठा देती है, तो यह सुनिश्चित है।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।

प्रधान साव ने कहा कि, चलते कांग्रेस

पार्टी के खत्म होना चाहिए।